PRGI No. UPHIN/25/A1697

# गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 038
दि. 07.06.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा


## पश्चिम एशिया संकट से निपटने के उपायों पर पीएम मोदी की बैठक, आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की चर्चा

**पश्चिम एशिया संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन**

**आम जनता को बचाने और कारोबार सुगम बनाने पर जोर**

**ऊर्जा आत्मनिर्भरता और कच्चे तेल आपूर्ति विविधीकरण पर चर्चा**

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ बैठक की। बैठक में पश्चिम एशिया संकट के कारण देश पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आम जनता को इसके प्रभावों से हरसंभव बचाने और उनके जीवन को सुगम बनाने पर जोर दिया। इसके साथ कारोबार को सुगम बनाने के उपायों और उससे जुड़े सुधारों पर भी चर्चा हुई।

मोदी सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव को कम करने और कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

सूत्रों के अनुसार आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी के सामने पश्चिम एशिया संकट के भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर प्रजेंटेशन दिया। इसके साथ ही इन प्रभावों और उनसे निपटने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

इनमें डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट पर चिंता और उससे निपटने के लिए आरबीआइ द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा शामिल है। सदस्यों ने भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए तात्कालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक उपाय उठाने की जरूरत बताई।

इनमें किसी एक स्रोत के बजाय कच्चे तेल व गैस सप्लाई करने वाले देशों की संख्या बढ़ाने और किसी खास क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने और धीरे-धीरे सोलर, हाइड्रो, परमाणु, इथेनाल और हाइड्रोजन को बढ़ावा देकर ऊर्जा क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों पर अलग-अलग विस्तृत विश्लेषण कर उन्हें इनसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए जरूरी सुधार की प्रक्रिया काम करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने साफ किया कि वैश्विक संकट के बावजूद आम जनता पर इसका प्रभाव कम से कम हो हमें इसके लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही आरबीआइ ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भी कुछ कदम उठाए हैं और उसके फलस्वरूप रुपये में मजबूती भी आई है।

बैठक में आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों के अलावा प्रधानमंत्री के दोनों प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास भी मौजूद थे। –

## ड्रोन रोधी लेजर से जोरावर टैंक तक, पीएम मोदी ने देखा भारत के भविष्य के हथियारों का जलवा

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लार्सन एंड टुब्रो (L&T) हजीरा संयंत्र दौरे के दौरान भारत की स्वदेशी रक्षा शक्ति का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। जोरावर टैंक, K9 Ubi-टी, लेजर हथियार और भविष्य की सैन्य तकनीकों ने आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता की झलक पेश की।**

,,

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के हजीरा स्थित लार्सन एंड टुब्रो (L&T) प्लांट में भारत की बढ़ती रक्षा शक्ति का प्रदर्शन देखा। यहां स्वदेशी टैंक, आधुनिक तोपें, ड्रोन रोधी लेजर हथियार और अत्याधुनिक सैन्य तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत और निजी क्षेत्र की बढ़ती भूमिका की झलक पेश की। भारत अब आयात पर निर्भरता घटाकर वैश्विक स्तर की सैन्य तकनीक विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

**जोरावर टैंक बना आकर्षण का केंद्र**

प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करने वाले प्लेटफॉर्म में 'जोरावर' लाइट टैंक शामिल रहा। 25 टन वजनी यह टैंक 105 मिमी की तोप से लैस है और इसे मैदानी इलाकों, रेगिस्तान और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी मॉड्यूलर संरचना भविष्य में नई तकनीकों और अपग्रेड को शामिल करने की क्षमता रखती है, जिससे यह लंबे समय तक प्रभावी बना रह सकेगा।

**लद्दाख में तैनात K9 वज्र-टी की ताकत**

भारतीय सेना में शामिल हो चुकी K9 वज्र-टी सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी गन भी प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण रही। 155 मिमी की यह अत्याधुनिक तोप लंबी दूरी तक सटीक मार करने में सक्षम है और पूर्वी लद्दाख जैसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है। इसकी 'शूट एंड स्कूट' क्षमता इसे फायरिंग के तुरंत बाद स्थान बदलने में सक्षम बनाती है, जिससे युद्धक्षेत्र में इसकी सुरक्षा बढ़ जाती है।

**आर्टिलरी और एयर डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन**

एलएंडटी ने ट्राजन 155 मिमी टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम और उन्नत L-70 गन आधारित क्लोज-इन वेपन सिस्टम का भी प्रदर्शन किया। उन्नत फायर कंट्रोल सिस्टम से लैस L-70 अब लड़ाकू विमानों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों का मुकाबला करने में अधिक सक्षम हो गया है। यह प्रणाली हाल के अभियानों में ड्रोन रोधी क्षमता के कारण चर्चा में रही है।

**हर मौसम और हर क्षेत्र में चलने वाला 'सिंधु'**

प्रदर्शनी में BvS-10 सिंधु ऑल-टेरेन वाहन को भी पेश किया गया, जो रेगिस्तान, दलदली क्षेत्रों, नदी किनारों और ऊंचाई वाले इलाकों में संचालन करने में सक्षम है। भारतीय सेना में शामिल यह वाहन कठिन परिस्थितियों में सैनिकों और उपकरणों की आवाजाही के लिए बेहद उपयोगी माना जाता है।

**लेजर हथियार और स्वदेशी इंजन ने खींचा ध्यान**

भारत की अगली पीढ़ी की रक्षा तकनीकों को प्रदर्शित करते हुए TEJASTRA हाई एनर्जी लेजर सिस्टम भी दिखाया गया। यह प्रणाली ड्रोन और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए विकसित की गई है। इसके अलावा 1,500 हॉर्सपावर वाले स्वदेशी इंजन और ट्रांसमिशन सिस्टम का प्रदर्शन किया गया, जो बख्तरबंद सैन्य वाहनों के लिए विकसित किया गया है और विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

**भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए तैयार हो रही तकनीकें**

प्रदर्शनी में फ्यूचर इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल (FICV) के लिए विकसित 30 मिमी मानव रहित टर्रेट भी प्रदर्शित किया गया। एंटी-टैंक मिसाइल लॉन्चर से लैस यह प्रणाली सैनिकों की सुरक्षा बढ़ाने और युद्धक्षेत्र में मारक क्षमता को मजबूत करने के लिए तैयार की गई है। प्रदर्शनी ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि आधुनिक सैन्य तकनीकों के विकास और निर्माण में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

## यूएन में चीन-पाकिस्तान को लगा अब तक का सबसे बड़ा झटका! अमेरिका के इस एक फैसले से इस्लामाबाद में मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

संयुक्त राष्ट्र में चीन और पाकिस्तान को उस समय बड़ा झटका लगा जब अमेरिका ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) और मजीद ब्रिगेड को वठ की 1267 टेरर सैंक्शंस लिस्ट में शामिल करने के प्रस्ताव को रोक दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका का कहना है कि इन संगठनों के अल-कायदा या ककक्र से सीधे संबंध साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद नहीं हैं।

इस फैसले को भारत के लिए कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत ने फ्रांस के सहयोग से अमेरिका को अपने पक्ष में करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे चीन और पाकिस्तान की रणनीति को बड़ा झटका लगा।

पाकिस्तान लंबे समय से BLA और मजीद ब्रिगेड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठन घोषित कराने की कोशिश कर रहा था। पहलगाम हमले और भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस्लामाबाद ने इस अभियान को और तेज कर दिया। पाकिस्तान सेना प्रमुख Asim Munir की रणनीति का एक अहम हिस्सा इन संगठनों को UN सैंक्शंस लिस्ट में शामिल कराना था। लेकिन अमेरिका के रुख ने पाकिस्तान की इस योजना को बड़ा झटका दिया और उसका प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका।

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में साफ कहा कि किसी संगठन को 1267 सैंक्शंस लिस्ट में शामिल करने के लिए उसका अल-कायदा या ककक्र जैसे वैश्विक आतंकी नेटवर्क से संबंध साबित होना जरूरी है। वाशिंगटन का मानना है कि BLA और मजीद ब्रिगेड के मामले में ऐसे पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इसी वजह से अमेरिका ने प्रस्ताव पर तकनीकी रोक लगा दी। पहले यह रोक छह महीने के लिए थी, जिसे बाद में और बढ़ाया गया। अब अमेरिका ने अपना विरोध खुलकर दर्ज करा दिया है।

## फिरोजपुर सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने जताया गहरा दुख, मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपये मुआवजे का किया एलान

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं भेजी हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की है। पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजनों (वारिसों) को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (मुआवजा) देने की घोषणा की है। इसके साथ ही हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

**शनिवार को हुआ हादसा**

गौरतलब है कि शनिवार को फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ था। जलालाबाद से ब्यास जा रही एक मालवाहक पिकअप गाड़ी को नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से 'डबल डेकर' बनाया गया था, जिसमें करीब 30 लोग सवार थे। तेज रफ्तार पिकअप की सामने से आ रहे एक ट्राले के साथ जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप के ऊपरी हिस्से में बैठे लोग हवा में उछलकर सीधे ट्राले के केबिन में जा घुसे। इस दिल दहला देने वाले हादसे में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों समेत 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

पंजाब के फिरोजपुर जिले में हुई दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

## शोक संतप्त परिवारों से मिले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व राज्यमंत्री सुजय त्रिपाठी से की मुलाकात

**इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक व राजनीतिक विषयों पर विस्तृत चर्चा भी हुई।**

(जीएनएस)।

लखनऊ , रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह लखनऊ में शनिवार को विभिन्न शोक संतप्त परिवारों से मिले और उनके परिजनों को सांत्वना दी। रक्षामंत्री पूर्व राज्यमंत्री सुजय कुमार त्रिपाठी के आवास पर पहुंचे, जहां शिष्टाचार भेंट की।

रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने शनिवार को विभिन्न शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के तहत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सबसे पहले वरिष्ठ एडवोकेट प्रशांत सिंह अटल के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने प्रशांत सिंह की दिवंगत मां के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता स्व. भगवती शुक्ला के निवास जाकर उनकी धर्मपत्नी के निधन पर शोक जताया तथा विनम्र श्रद्धांजलि दी। इसके बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री सुजय कुमार त्रिपाठी के आवास पर पहुंचे, जहां शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक व राजनीतिक विषयों पर विस्तृत चर्चा भी हुई।

## पश्चिम बंगाल में आर्थिक ढांचे को मजबूत करने और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए 'खाद्य साथी योजना' के तहत की कार्रवाई, 63 लाख लोगों के राशन कार्ड होंगे रद्द

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित सरकार ने राज्य के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में सरकार ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की 'खाद्य साथी योजना' के तहत मुफ्त और सस्ते अनाज का लाभ ले रहे अपात्र और फर्जी लाभार्थियों को बाहर निकालने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है।

इस विशेष गहन समीक्षा (SIR) के जरिए सरकारी खजाने पर पड़ रहे अतिरिक्त वित्तीय बोझ को कम किया जाएगा और नियमों के दायरे से बाहर के राशन कार्डों को चिह्नित कर डिलीट किया जाएगा। आइए जानतें हैं सरकार इस दिशा में क्या कदम उठा रही है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के मुताबिक, विशेष गहन समीक्षा के दौरान जिन 63 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनके राशन कार्डों की तुरंत पहचान कर उन्हें रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

हालांकि, सरकार ने इसमें एक मानवीय और कानूनी पहलू को भी शामिल किया है। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटे हैं, लेकिन उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (उअअ) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है या ट्रिब्यूनल के समक्ष अपील की है, उनके राशन कार्ड तब तक एक्टिव रहेंगे जब तक कि उनकी याचिकाओं पर अंतिम फैसला नहीं आ जाता।

हाल ही में शुरू की गई 'अन्नपूर्णा योजना' के लिए सरकार ने एक नया आवेदन फॉर्म भी पेश किया है। सरकार को अंदेशा है कि पिछली सरकार की 'लक्ष्मी भंडार योजना' के तहत लगभग 30 लाख से अधिक अपात्र महिलाएं वित्तीय सहायता ले रही थीं। नई अन्नपूर्णा योजना के तहत राज्य सरकार लगभग दो करोड़ महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता देगी। इस योजना पर राज्य सरकार को हर साल करीब 72,000 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इसके विपरीत, पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार लक्ष्मी भंडार योजना के लिए सालाना लगभग 30,000 करोड़ रुपये खर्च करती थी।

हिंदुस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, वर्तमान में राज्य का खजाना बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है और राजस्व को तुरंत बढ़ाना मुमकिन नहीं है, इसलिए फंड के दुरुपयोग और लीकेज को रोकना बेहद जरूरी है। अधिकारियों के मुताबिक, खाद्य साथी योजना के तहत सालाना करीब 15,000 करोड़ रुपये का खर्च आता है, जिसके जरिए लगभग दो करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जाता है और किसानों से सीधे धान की खरीद की जाती है।

## उ.प्र. में इबोला वायरस की दस्तक? विदेश से लौटे 95 लोगों की लिस्ट तैयार, दो व्यक्ति होम क्वारंटाइन, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

(जीएनएस)।

ग्लोबल लेवल पर पैर पसार रहे जानलेवा इबोला वायरस को लेकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी हाई अलर्ट जारी हो चुका है। अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की गाइडलाइंस के तहत यूपी सरकार पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में विदेश से लौटे 95 यात्रियों की एक विशेष इबोला सर्विलांस लिस्ट तैयार की गई है, जिसमें बस्ती मंडल के दो प्रवासियों का नाम सामने आते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

इन दोनों यात्रियों को एहतियात के तौर पर तुरंत होम क्वारंटाइन कर दिया गया है ताकि संक्रमण के किसी भी संभावित खतरे को शुरूआत में ही रोका जा सके। आइए जानतें हैं स्वास्थ्य विभाग और एक्सपर्ट ने इस गंभीर स्थिति पर क्या कदम उठाए हैं...

इबोला प्रभावित क्षेत्रों से लौटे यात्रियों की जो लाइन लिस्ट तैयार की गई है, उसमें बस्ती मंडल के दो यात्री शामिल हैं। इनमें से एक युवक बस्ती जिले के सल्टौआ ब्लॉक के एक गांव का रहने वाला 22 वर्षीय व्यापारी है, जो बांग्लादेश की राजधानी ढाका से हवाई यात्रा कर दिल्ली पहुंचा था। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दे दी गई थी।

वहीं, दूसरा यात्री संतकबीरनगर जिले के बघौली ब्लॉक का निवासी है, जो पिछले एक दशक से युगांडा के इंटेबी शहर में मजदूरी कर रहा था और हाल ही में मुंबई के रास्ते स्वदेश लौटा है। सीएमओ बस्ती ने मुस्तैदी दिखाते हुए संतकबीरनगर के स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजकर इस यात्री की जानकारी साझा की है, जिसके बाद दोनों को सख्त निगरानी में होम क्वारंटाइन कर दिया गया है।

दुनिया भर में इबोला के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (Africa CDC) के साथ मिलकर इस महामारी से निपटने के लिए जून से नवंबर तक का एक छह-महीने का विशेष प्लान जारी किया है, जिसका कुल बजट 518 मिलियन डॉलर (लगभग $51.8 करोड़) रखा गया है।

# सम्पादकीय

## अयातुल्लाह अली खामेनेई का राजकीय अंतिम संस्कार का ऐलान

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के लिए तीन दिन के राजकीय अंतिम संस्कार का ऐलान किया गया है। तीन महीने बाद अयातुल्लाह अली खामेनेई को दी जाएगी अंतिम विदाई, मशहद में होंगे सुपुर्द-ए-खाक। ईरान सरकार ने पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के लिए तीन दिन के राजकीय अंतिम संस्कार का ऐलान किया है। फिलहाल तारीख घोषित नहीं हुई है। अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यंक्रम इस्लामिक कैलेंडर के अखिरी महीने जिलहिज्जा के अंत में हो सकता है। यानी 15 जून के आसपास। अधिकारियों ने बताया कि खामेनेई की इच्छा के अनुसार उन्हें मशहद के इमाम रजा दरगाह में दफनाया जाएगा। तेहरान, कोम और मशहद में अंतिम कार्यंक्रम होंगे। इन शहरों में बड़े पैमाने पर शोभा यात्राएं और श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी। ईरान के सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी से बातचीत में तवाकोलीजादेह ने कहा कि तीनों शहरों में करोड़ों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तेहरान के डिप्टी मेयर मोहम्मद अमीन तवाकोली-जादेह ने कहा कि ईरान के कई अन्य प्रांत भी श्रद्धांजलि कार्यंक्रम आयोजित करना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि तेहरान में होने वाला मुख्य कार्यंक्रम कम से कम 24 घंटे चलेगा। सिर्प तेहरान में ही 1.5 करोड़ से दो करोड़ लोग अपने शहीद सुप्रीम लीडर को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंच सकते हैं। इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन सुरक्षा, यातायात और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की तैयारी कर रहा है। यह पैसला अयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत के 3 महीने बाद लिया गया है। आमतौर पर इस्लामी परम्परा के अनुसार किसी व्यक्ति का अंतिम संस्कार मौत के वुछ दिनों के भीतर कर दिया जाता है, लेकिन ईरानी अधिकारियों ने पहले इस कार्यंक्रम को टाल दिया था। पहले क्यों नहीं हुआ अंतिम संस्कार? अयातुल्लाह अली खामेनेई 23 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए थे। उनकी शहादत के बाद मार्च में ईरान के अधिकारियों ने बयान दिया था कि भारी भीड़ और व्यवस्थाओं को लेकर आ रही चुनौतियों की वजह से अंतिम संस्कार तुरंत करना संभव नहीं है। ईरान की सरकारी एजेंसी ईरना के मुताबिक राजकीय अंतिम संस्कार जून के मध्य में आयोजित किया जाएगा। हालांकि इसकी सटीक तारीख और समय की अभी अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अंतिम संस्कार बहुत बड़े स्तर पर होगा और इसमें ईरान के साथ-साथ कई मुस्लिम देशों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भारत, बांग्लादेश से भी बड़ी संख्या में लोगों के मशहद पहुंचने की उम्मीद है। अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में करोड़ों लोग एक साथ इकट्ठे होंगे। यह भी खतरा है कि मौके का फायदा उठाकर कहीं इजरायल कोई उल्टी-सीधी हरकत न कर दे। अमेरिका भी इस मौके का फायदा उठा सकता है। ऊपर वाला ऐसा होने से बचाए। उम्मीद करते हैं कि इस पवित्र मौके का इजरायल-अमेरिका कोई नाजायज फायदा नहीं उठाएगा और अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम विदाई में कोई बाधा नहीं डालेगा। खामेनेई 86 साल के थे। वह तीन दशक से ज्यादा समय तक ईरान के सुप्रीम लीडर रहे।

# सहारनपुर मंडल के दौरे बार-बार कर रहे योगी आदित्यनाथ, आखिर क्या है वजह?

यहां बीजेपी की राह क्यों मुश्किल? भाजपा की जीत के लिए हिंदू मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण जीत की अनिवार्य शर्त है। भाजपा नेतृत्व के लिए जातीय संतुलन एवं समन्वय बनाए रखना भी आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते सोमवार (1 जून) को बिजनौर और सहारनपुर में थे। योगी इससे पहले भी कई बार सहारनपुर मंडल के दौरे कर चुके हैं। दरअसल सियासी लिहाज से सहारनपुर मंडल की डेमोग्राफी जातीय नेताओं के अनुकूल नहीं होने से भाजपा में जीत का पूरा दारोमदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर ही निर्भर करता है। कहीं न कहीं इसके पीछे 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत को सुनिश्चित करना भी बड़ा मकसद है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते सोमवार को बिजनौर में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद तीसरे पहर में सहारनपुर के मां शाकुम्बरी देवी स्थल का निरीक्षण किया। यहां कुछ दिन पहले आई आपदा से दो महिलाओं की मौत हो गई थी और सैकड़ों दुकानें और वाहन आदि बह गए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मां शाकुम्बरी देवी में भूरा महादेव से लेकर मां शाकुम्बरी देवी मंदिर तक ऊंचा और बड़ा गलियारा बनवा रहे हैं, जिससे श्रद्धालु देवी मंदिर तक बिना किसी बाधा के दर्शनों के लिए जा सकें। मुख्यमंत्री का सहारनपुर जनपद का यह तीसरा-चौथा हालिया दौरा है।

**सहारनपुर मंडल की हर विधानसभा मिश्रित आबादी क्षेत्र**

पूर्व आईपीएस एवं पूर्व कुलपति डा. अशोक कुमार राघव कहते हैं कि उन्होंने सहारनपुर मंडल की डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) के अध्ययन में यह पाया है कि सहारनपुर मंडल में किसी भी एक स्थान पर किसी एक विशेष जाति का बाहुल्य नहीं है। हर जाति के छोटे-छोटे पाकेट्स हैं। इससे इस मंडल में सियासी रूप से किसी भी व्यक्ति के लिए जातीय नेता बनने का अवसर मौजूद नहीं है।

सहारनपुर मंडल के हर विधानसभा क्षेत्र में मिश्रित आबादी है। इसलिए चुनाव में वही व्यक्ति जीत सकता है जिसे विभिन्न जातियों का सामूहिक रूप से समर्थन प्राप्त हो। ये स्थिति भाजपा के लिए मुश्किलें पैदा करने वाली है। सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर तीनों जनपदों में मुस्लिम मतदाता बहुतायत में हैं। दूसरा स्थान दलित मतदाताओं का है। कोई भी जातीय गठबंधन मुसलमानों के साथ मिलकर चुनाव जीतने की गारंटी है।

**बीजेपी की जीत के लिए हिंदू मतदाताओं का ध्रुवीकरण जरूरी**

भाजपा की जीत के लिए हिंदू मतदाताओं के बीच ध्रुवीकरण जीत की अनिवार्य शर्त है। भाजपा नेतृत्व के लिए जातीय संतुलन एवं समन्वय बनाए रखना भी आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव में राजपूतों की छोटी सी नाराजगी भाजपा पर भारी पड़ी थी। जिससे भाजपा तीनों सीटों पर पराजित हो गई थी। सहारनपुर में कांग्रेस के इमरान मसूद, कैराना में सपा की इकरा हसन और मुजफ्फरनगर सीट पर सपा के हरेंद्र मलिक आराम से चुनाव जीत गए थे।

सहारनपुर जनपद में भाजपा में उसके दो विधायक कीरत सिंह और मुकेश चौधरी गुर्जर हैं। सहारनपुर सीट पर पंजाबी समाज के राजीव गुंबर हैं और देवबंद सीट पर राजपूत बिरादरी के बृजेश सिंह हैं। रामपुर मनिहारान में अनुसूचित जाति के देवेंद्र निम हैं। मुस्लिम बहुल बेहट, (जिसमें

मां शाकुम्बरी क्षेत्र भी शामिल हैं) से सपा के उमर अली खान विधायक हैं। सहारनपुर देहात से सपा के आशु मलिक विधायक हैं।

**सहारनपुर मंडल में बीजेपी के पास मजबूत दलित नेता नहीं**

सहारनपुर मंडल में भाजपा के पास अपना खुद का कोई दलित मजबूत नेता नहीं है। मुजफ्फरनगर की पुरकाजी सुरक्षित सीट का प्रतिनिधित्व रालोद के दलित नेता अनिल कुमार करते हैं। सहारनपुर में दलितों पर प्रभाव रखने वाले बसपा से आए दो नेता रविंद्र कुमार मोल्हू रामपुर क्षेत्र और जगपाल सिंह सहारनपुर देहात भाजपा में हैं।

पूरे सहारनपुर जनपद में भाजपा के पास ना कोई राजपूत नेता है, ना ही गुर्जर नेता है अलबत्ता बसपा से आए सैनी बिरादरी के डा. धर्म सिंह सैनी जरूर सहारनपुर जनपद में सैनियों पर अपना प्रभाव रखते हैं। इसी तरह पूरे मंडल में भाजपा के पास ना तो कोई जाटों का, ना ही बनियों का बड़ा नेता है।

**सपा विधायक संजय गर्ग का बनियों पर अच्छा प्रभाव**

2024 में सपा से आए सहारनपुर के तीन बार के विधायक संजय गर्ग का बनियों पर अच्छा खास प्रभाव माना जाता है। मुजफ्फरनगर के राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल वैश्य बिरादरी के जरूर हैं लेकिन अपनी बिरादरी के नेता नहीं माने जाते हैं। सहारनपुर मंडल में आने वाले चुनाव में भाजपा की डगर मुश्किलों भरी रहने वाली है।

थाना भवन के पूर्व विधायक ठाकुर सुरेश राणा को जरूर राजपूतों में वो सम्मान हासिल है जो किसी अन्य राजपूत नेता को नहीं है। सहारनपुर मंडल में भाजपा के अकेले राजपूत विधायक देवबंद के बृजेश सिंह हैं, जिनका अपना कोई निजी जनाधार नहीं है।

सहारनपुर जनपद में कभी ठाकुर फूल सिंह, अजीत प्रसाद जैन और चौधरी यशपाल गुर्जर का विशेष प्रभाव और दबदबा माना जाता था। मुजफ्फरनगर जनपद की जो डेमोग्राफी है उसके चलते ही 1971 में चौधरी चरण सिंह और 2019 में चौधरी अजीत सिंह साधारण लोगों से चुनाव हार गए थे।

बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण होगा विधानसभा चुनाव 2027

मुजफ्फरनगर जनपद में भाजपा के पास पांच में से केवल एक सीट मुजफ्फरनगर ही है। शामली जिले में पिछली बार उसका खाता नहीं खुला था। हालांकि सहारनपुर में भाजपा के पास चार विधायक हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा सात में से केवल देवबंद सीट पर ही बढ़त हासिल कर पाई थी। उसका

## लखनऊ के जीशान अंसारी इंडिया ए में शामिल, 25 जून को श्रीलंका ए के खिलाफ उतरेंगे

लखनऊ, वर्ष 2016 में अंडर-19 विश्वकप में भारतीय टीम में जगह बनाने वाले जीशान को वर्ष 2017 में यूपी के लिए रेलवे के खिलाफ पहला प्रथम श्रेणी मैच खेलने का मौका मिला। नौ साल के लंबे कॅरिअर में जीशान ने पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले।

लखनऊ शहर के स्टार लेग स्पिनर जीशान अंसारी को भारत ए टीम में खेलने का मौका मिला है। गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में 25 से 28 जून और दो से पांच जुलाई तक श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले मैच में जीशान भारत ए टीम से खेलेंगे। टीम के कप्तान आगरा (यूपी) के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को बनाया गया है।

वर्ष 2016 में अंडर-19 विश्वकप में भारतीय टीम में जगह बनाने वाले जीशान को वर्ष 2017 में यूपी के लिए रेलवे के खिलाफ पहला प्रथम श्रेणी मैच खेलने का मौका मिला। नौ साल के लंबे कॅरिअर में जीशान ने पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले। इसके बाद कई मैचों में शानदार प्रदर्शन के बाद विजय हजारे ट्रॉफी के 2025-26 संस्करण में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ मैचों में 21 विकेट लिए। अब श्रीलंका ए के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबलों में जीशान का चयन बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

जीशान की मेहनत को मिला सुनहरा फलक

भले ही उत्तर प्रदेश की चयन समिति को लखनऊ के स्टार लेग स्पिनर जीशान अंसारी की क्षमता पर भरोसा न हो, लेकिन भारतीय क्रिकेट के चयनकर्ताओं ने उनपर विश्वास जताते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फलक पर छाने का सुनहरा मौका दे दिया है। जनवरी 2020 में तमिलनाडु के खिलाफ उत्तर प्रदेश से आखिरी प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले जीशान अंसारी के राष्ट्रीय टीम में शामिल किए जाने से यूपीसीए की चयन में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में उन्हें शुभमन गिल के नेतृत्व वाले भारतीय टीम मैनेजमेंट की ओर से नेट गेंदबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

# तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय ने लौटाए किसके पैसे? 'जन नायकन' पर फिर छाए संकट के बादल, क्यों परेशान हुए सुपरस्टार?

(जीएनएस)।

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' (खल्लं टंटॅल्ल) लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं लेकिन रिलीज को लेकर जारी अनिश्चितता ने दर्शकों की उत्सुकता के साथ-साथ उनकी निराशा भी बढ़ा दी है।

**रिलीज से पहले बढ़ीं जन नायकन की मुश्किलें**

हालांकि फिल्म 'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है लेकिन इसके बावजूद रिलीज डेट का ऐलान अब तक नहीं किया गया है। इसी बीच फिल्म से जुड़ा एक ऐसा फैसला सामने आया है जिसने इंडस्ट्री में नई चर्चा छेड़ दी है।

**सीएम थलपति विजय का बड़ा फैसला, डिस्ट्रीब्यूटर्स को मिलेगा रिफंड**

-फिल्म की रिलीज में लगातार हो रही देरी के बीच सीएम और एक्टर थलपति विजय ने एक अहम कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म के निर्माण से जुड़ी कंपनी को निर्देश दिया है कि डिस्ट्रीब्यूटर्स के निवेश को अनिश्चित समय तक रोके रखना उचित नहीं है।

-इसी वजह से फिल्म 'जन नायकन' से जुड़े सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स को उनका पैसा वापस लौटाने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया है। इस कदम को इंडस्ट्री में जिम्मेदार और पारदर्शी निर्णय के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि लंबे समय से रिलीज टलने के कारण डिस्ट्रीब्यूटर्स के निवेश पर भी असर पड़ रहा था।

**आखिर क्यों अटकी हुई है फिल्म 'जन नायकन'?**

-'जन नायकन' को पहले साल 2026 की शुरूआत में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि सेंसर संबंधी प्रक्रियाओं और कानूनी अड़चनों के चलते फिल्म समय पर रिलीज नहीं हो सकी।

-मामला इतना बढ़ गया था कि इसे लेकर कानूनी स्तर पर भी चचाएं शुरू हो गई थीं। बाद में सेंसर बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद उम्मीद जगी थी कि फिल्म जल्द सिनेमाघरों में पहुंचेगी लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद मेकर्स ने नई रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया।

**HD प्रिंट लीक होने से बढ़ी परेशानी**

-फिल्म की मुश्किलें केवल रिलीज में देरी तक सीमित नहीं रहीं। कुछ समय पहले फिल्म का हाई-क्वालिटी प्रिंट इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लीक होने की खबरों ने मेकर्स को बड़ा झटका दिया था।

-इस घटना के बाद निमार्ताओं ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच

शुरू करवाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस मामले में कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई और कुछ गिरफ्तारियां भी हुईं। फिल्म की सुरक्षा और रिलीज रणनीति को लेकर इसके बाद अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

**दमदार स्टारकास्ट से सजी है फिल्म 'जन नायकन'**

-आपको बता दें कि फिल्म 'जन नायकन' को थलपति विजय के करियर की सबसे चर्चित फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े, ममिता बैजू, बॉबी देओल और प्रकाश राज जैसे कई पॉपुलर कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।

-फिल्म की स्टारकास्ट और थलपति विजय की लोकप्रियता को देखते हुए इसे पहले से ही बॉक्स ऑफिस की बड़ी फिल्मों में शामिल माना जा रहा है। यही वजह है कि रिलीज में हो रही लगातार देरी फैंस के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

**फैंस के सब्र का इम्तिहान जारी**

-थलपति विजय के फैंस लंबे समय से 'जन नायकन' को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लगातार फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। सेंसर क्लियरेंस मिलने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही नई रिलीज डेट सामने आएगी लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में फैंस की नजरें अब मेकर्स और प्रोडक्शन हाउस की अगली घोषणा पर टिकी हुई हैं।

-'जन नायकन' इस समय उन फिल्मों में शामिल हो गई है जिनकी चर्चा रिलीज से ज्यादा उसकी देरी को लेकर हो रही है। सेंसर बोर्ड की मंजूरी, कानूनी विवाद, एचडी प्रिंट लीक और अब डिस्ट्रीब्यूटर्स को रिफंड लौटाने का फैसला, इन सभी घटनाओं ने फिल्म को लगातार सुर्खियों में बनाए रखा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि थलपति विजय की यह बहुप्रतीक्षित फिल्म आखिरकार कब सिनेमाघरों में दस्तक देती है और दर्शकों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरती है।

# अजीत अगरकर ने बता दिया असली सच, कैसे वैभव सूर्यवंशी का हुआ सेलेक्शन? जो कहा वो कर देगा हैरान

**15 साल के वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह मिल गई है. उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है. इसके अलावा एशियन गेम्स की टीम के लिए भी उनका चयन हुआ है.**

(जीएनएस)।

आईपीएल में तूफानी बैटिंग करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह मिल गई है. उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है. इसके अलावा एशियन गेम्स की टीम के लिए भी उनका चयन हुआ है. शनिवार को भारतीय टी20 टीम की घोषणा के बाद बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि आईपीएल 2026 में अपने दमदार प्रदर्शन से वैभव सूर्यवंशी ने खुद को टीम में चुना है.

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव सूर्यवंशी को लेकर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है. आईपीएल में प्लेऑफ तक उसने अकेले ही राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई. एक युवा खिलाड़ी के लिए मुझे इस बारे में बात करने की जरूरत नहीं है कि वह कितनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है या कितना अच्छा खेल रहा है. यह सिर्फ इस सीजन की बात नहीं है. उसने पिछले सीजन में साफ तौर पर शानदार शुरूआत की थी."

उन्होंने आगे कहा, "वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल जैसे दबाव वाले एक बड़े मंच पर दिखाया है कि वह क्या कर सकते हैं और कितने विस्फोटक हो सकते हैं. हमें उनसे बहुत उम्मीदें हैं. मुझे लगता है कि उन्होंने सच में खुद को चुना है. हम सभी देख सकते हैं कि उनमें किस तरह की प्रतिभा है. हमें उम्मीद है कि जब उन्हें देश के लिए खेलने का मौका मिलेगा, तो वह वैसी ही काबिलियत दिखाएंगे जैसी उन्होंने दिखाई है. जाहिर है, जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो मुश्किल चुनौती होती है, लेकिन उन्होंने बहुत अच्छा टेम्परामेंट दिखाया है. उसने हमें उसे चुनने को मजबूर किया है."

मुख्य चयनकर्ता ने कहा, "मुझे लगता है कि वह टी20 क्रिकेट में जो कर रहा है, उससे हम बहुत उत्साहित हैं. हम चयनकर्ता या बीसीसीआई और कोचिंग स्टाफ के तौर पर उसे सही दिशा में आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं."

## युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की हुई टीम इंडिया में एंट्री, किसका कटा पत्ता? सेलेक्टर्स ने आखिरकार ले लिया बड़ा फैसला

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए खेलते हुए अपने बल्ले से कोहराम मचाने वाले 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय भारतीय क्रिकेट जगत में सबसे बड़ा चर्चा का विषय बने हुए हैं। टूर्नामेंट में रिकॉर्ड तोड़ 776 रन बनाने, 237 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने और 72 छक्के उड़ाकर ऑरेंज कैप अपने नाम करने वाले वैभव ने सीनियर नेशनल टीम का दरवाजा खटखटाया है। शनिवार को वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी-20 टीम में शामिल कर लिया गया।

**चयनकताओं ने दी खुशखबरी**

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा था। लेकिन उनकी एंट्री ने चयनकताओं के सामने एक बड़ा चयन संकट खड़ा कर दिया। वैभव के अविश्वसनीय प्रदर्शन के बावजूद उन्हें प्लेइंग-11 या मुख्य स्क्वाड में जगह देना सेलेक्टर्स के लिए आसान नहीं था। इसके पीछे टीम कॉम्बिनेशन और भविष्य की योजनाएं मुख्य वजह थी। लेकिन आखिरकार वैभव को टीम में जगह मिल गई।

**प्लेइंग इलेवन में कहां फिट होंगे वैभव?**

अब भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस समय व्हाइट-बॉल क्रिकेट (टी-20 और वनडे) में भारत का टॉप और मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से सेटल है। टी20 फॉर्मेट में भारत के पास पहले से ही स्थापित और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले ओपनर्स और टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मौजूद हैं। वैभव के आक्रामक अंदाज ने भले ही प्रभावित किया हो, लेकिन मौजूदा सीनियर खिलाड़ियों को अचानक बाहर करना नाइंसाफी होगी। ऐसे में वैभव को शुरूआती कुछ मैचों में प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना पड़ सकता है।

**वनडे में भी प्रयोग की गुंजाइश कम**

वनडे फॉर्मेट की स्थिति भी अलग नहीं है। वहां भी मध्यक्रम में इन-फॉर्म खिलाड़ियों की लंबी कतार है, जिससे नए प्रयोगों के लिए अवसर बेहद सीमित हो जाते हैं। चयन समिति केवल वर्तमान आईपीएल फॉर्म के आधार पर भावुक होकर फैसला नहीं ले रही है, बल्कि उनका ध्यान लंबे समय में आने वाले बड़े-बड़े टूर्नामेंटों पर है। सेलेक्टर्स की नजरें आगामी आईसीसी (ICC) टूर्नामेंट्स और 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक चक्र पर टिकी हैं।

मैनेजमेंट का मानना है कि वैभव जैसे असाधारण टैलेंट को टीम में कोई अस्थायी स्थान देने के बजाय, उन्हें सही समय और सही पोजीशन पर मौका दिया जाए। जल्दबाजी में टीम में शामिल करने और फिर ड्रॉप करने से युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास पर बुरा असर पड़ सकता है, इसलिए उन्हें थोड़ा इंतजार कराने की रणनीति पर भी विचार चल रहा है।

# योगी आदित्यनाथ के विरोध में अब अविमुक्तेश्वरानंद को कश्मीर के मुसलमानों में भी दिखने लगे हैं गोरक्षक?

अविमुक्तेश्वरानंद बार-बार योगी सरकार को निशाने पर लेते हैं और दूसरी तरफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की सराहना करते हैं, तो राजनीतिक जानकारों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है.

(जीएनएस)।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गविष्ठि यात्रा को एक महीने से अधिक समय हो चुका है. यात्रा के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमलावर हैं, जबकि दूसरी तरफ मुस्लिम प्रतिनिधिमंडलों और मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों की खुलकर सराहना कर रहे हैं. मैनपुरी में दिया गया उनका ताजा बयान इसी वजह से चर्चा के केंद्र में आ गया है. मैनपुरी में अविमुक्तेश्वरानंद ने दावा किया कि कश्मीर के एक बुजुर्ग मुस्लिम ने उनसे मुलाकात कर रणबीर दंड संहिता को दोबारा लागू करवाने की गुहार लगाई थी. उनके अनुसार, जम्मू-कश्मीर में पहले ऐसा कानून था जिसमें गोहत्या पर कठोर सजा का प्रावधान था. उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद वह व्यवस्था समाप्त हो गई और अब कश्मीर में गाय की रक्षा कमजोर हो गई है. अविमुक्तेश्वरानंद ने यह भी कहा कि आज देश का मुसलमान गाय की रक्षा की बात कर रहा है, लेकिन कुछ हिन्दू नेता वह बात नहीं कह पा रहे हैं.

**अविमुक्तेश्वरानंद का योगी सरकार पर निशाना**

यहीं से पूरी बहस शुरू होती है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण को लेकर सबसे सख्त कानूनों में से एक लागू है. योगी आदित्यनाथ वर्षों से गोरक्षा और गौसेवा को अपनी राजनीति और सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण विषय बताते रहे हैं. ऐसे में जब अविमुक्तेश्वरानंद बार-बार योगी सरकार को निशाने पर लेते हैं और दूसरी तरफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की सराहना करते हैं, तो राजनीतिक जानकारों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है. मैनपुरी में मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल ने उनसे

मुलाकात कर गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग रखी. इस प्रतिनिधिमंडल में कई स्थानीय मुस्लिम चेहरे शामिल थे. अविमुक्तेश्वरानंद ने मंच से उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि वे वह बात कह रहे हैं, जिसे कुछ हिन्दू नेता भी नहीं कह पा रहे. उन्होंने यहां तक कहा कि हिन्दुत्व की असली कसौटी केवल भगवा वस्त्र नहीं, बल्कि गाय को माता मानने की भावना है.

यह पहला मौका नहीं है जब यात्रा में मुस्लिम भागीदारी चर्चा का विषय बनी हो. इससे पहले फतेहपुर, कन्नौज और अन्य जिलों में भी मुस्लिम नेताओं और कार्यकताओं की मौजूदगी को लेकर सवाल उठे थे. कई स्थानों पर मुस्लिम प्रतिनिधियों ने गोरक्षा और राष्ट्रमाता अभियान का समर्थन भी जताया. अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर अचानक यह निकटता क्यों दिखाई दे रही है? क्या यह केवल सामाजिक सद्भाव का मामला है या इसके पीछे कोई व्यापक राजनीतिक संदेश भी छिपा है?

**डिंपल यादव ने भी अविमुक्तेश्वरानंद से की मुलाकात**

मामला यहीं खत्म नहीं होता. अविमुक्तेश्वरानंद की यात्रा में समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेताओं की सक्रियता भी चर्चा में रही. सपा सांसद डिम्पल यादव ने मैनपुरी और फिर इटावा में अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की. इटावा में ही शिवपाल सिंह यादव भी उनसे मिले हैं. यात्रा के कई पड़ावों पर सपा से जुड़े नेताओं की मौजूदगी लगातार दिखाई दी है. यही कारण है कि राजनीतिक हलकों में यह चर्चा बढ़ रही है कि क्या विपक्षी दल इस यात्रा को भाजपा के वैचारिक प्रभाव के मुकाबले एक वैकल्पिक मंच के रूप में देख रहे हैं.

कश्मीर के प्रसंग ने इस बहस को और तेज कर दिया है. धारा 370 हटाना भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धियों में गिना जाता है. ऐसे में जब अविमुक्तेश्वरानंद उसी संदर्भ में रणबीर दंड संहिता का उदाहरण देते हैं और बताते हैं कि कश्मीरी मुसलमान उस पुराने कानून को वापस चाहते हैं, तो आलोचक पूछ रहे हैं कि क्या यह केवल गोरक्षा का मुद्दा है या फिर धारा 370 के बाद बने नए राजनीतिक ढांचे पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी भी है?

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

# फीस वृद्धि के विरोध में धरना दे रहे छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध तेज, मैदान में उतरे छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रख्यात लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के बाद तीन छात्र नेताओं को शैक्षिक अधिकार से वंचित कर दिया गया। तीन छात्र नेताओं को शैक्षिक अधिकार से वंचित करने की सूचना पर छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव इनके पक्ष में उतर आए और शनिवार को वंचित छात्रों के समर्थन में धरना दिया।

छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव धरना दे रहे छात्रों के समर्थन में अनशन किया। पूर्व छात्र नेता रमेश श्रीवास्तव ने बताया एक साथ लगभग 50 से 100% ज्यादा फीस वृद्धि यदि की गई है, छात्र नेता यदि विरोध ना करते तो गलत है। उनके विरोध प्रदर्शन को किसी भी दृष्टिकोण से अनुचित नहीं कहा जा सकता है।

कुलपति से वार्ता के दो घंटे बीतने

के बाद कुलपति जब कार्यालय से बाहर निकलने लगे तो छात्र नेता उनके गाड़ी सामने लेट गए और वार्ता करने के लिए दरवाजे पर थपकी दी। यह लोकतांत्रिक तरीका है, इस कारण से निष्कासन अलोकतांत्रिक है। इतने छोटे कारण से छात्र नेताओं को शिक्षा से वंचित करना दमन और तानाशाही है।

रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि निष्कासित छात्रों के समर्थन में मंगलवार को कई और पूर्व छात्र नेता धरने पर आएंगे और कुलपति से वार्ता करने का प्रयास भी करेंगे। कुलपति जी तो विश्वविद्यालय के सर्वोच्च पद के बाद अभिभावक भी हैं और उनकी सोच का दायरा बड़ा और व्यापक होना चाहिए, उनको वार्ता भी करना चाहिए। बढ़ी हुई फीस वृद्धि पर पुनः विचार करना चाहिए एवं छात्र नेताओं के निष्कासन को तत्काल वापस लेना चाहिए।

छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि फीस वृद्धि प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के लिए अभिशाप होता जा रहा है। इसके विरोध में जल्दी ही प्रेस क्लब में वर्तमान छात्र नेता, पूर्व छात्र नेता, वरिष्ठ पत्रकार, अधिवक्ता, समाजसेवी व बुद्धिजीवी की एक बैठक आयोजित की जाएगी। महंगी होती शिक्षा को लेकर छात्रों एवं अभिभावकों के बीच में जन जागृति कर एक समन्वय बनाने की रणनीति पर विचार करेंगे।

# सीएम योगी ने किए मां पाटेश्वरी के दर्शन, मुख्यमंत्री ने की स्वस्थ-समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना

(जीएनएस)।

बलरामपुर, गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह तुलसीपुर में देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन, पूजन-अर्चन किया। उन्होंने मां की आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया।

सीएम योगी शुक्रवार को बलरामपुर पहुंचे। यहां विकास कार्यों

के लोकार्पण-शिलान्यास के बाद मंदिर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह दर्शन-पूजन के बाद मंदिर में आये श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। सीएम ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व स्वच्छता की समुचित व्यवस्था का भी निर्देश दिया। स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों, संतों आदि से मुलाकात भी की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गोंडा के लिए प्रस्थान किया।

दर्शन-पूजन के दौरान महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी गोरखपुर के महंत रविंद्र दास जी, विधायक पलटूराम, कैलाश नारायण शुक्ल आदि भी मौजूद रहे।

# टीम इंडिया ने 9 साल बाद जीती एशिया कप ट्रॉफी, पीएम मोदी ने दी बधाई, यह अबतक कुल तीसरी बार है जब भारत जीता है अंडर-18 हाकी एशिया कप

(जीएनएस)।

भारत ने अंडर-18 हॉकी एशिया कप 2026 का खिताब जीत लिया है. शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने जापान को 4-1 से हराकर ट्रॉफी जीती. इससे पहले सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश पाया था. यह कुल तीसरी बार है जब भारत ने अंडर-18 लेवल पर हॉकी एशिया कप जीता है. इस यादगार जीत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम इंडिया को बधाई दी.

जिस तरह सेमीफाइनल में आशीष पूर्ति ने आखिरी क्वार्टर में मैच का पासा पलट कर रख दिया था. फाइनल में भी उन्होंने 3 गोल करते हुए मैच

जिताऊ प्रदर्शन करके दिखाया. मैच के दूसरे मिनट में ही भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली थी और तीसरे क्वार्टर के अंत तक टीम इंडिया 4-0 की बढ़त लेकर जीत की ओर बढ़ रही थी. जापान को चौथे क्वार्टर में चमत्कारी प्रदर्शन करने की जरूरत थी. जापान की तरफ से पूरे मैच में एकमात्र गोल चौथे क्वार्टर में आया, लेकिन यह टीम इंडिया को हराने के लिए काफी नहीं था. इससे पहले भारत 2001 और 2016 में अंडर-18 एशिया कप का खिताब जीत चुका है.

**पीएम मोदी ने दी बधाई**

भारत की मेंस अंडर-18 हॉकी टीम को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा - हमारे युवा हॉकी खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धि. अंडर-18 एशिया कप का खिताब जीतने के लिए पूरी टीम को बधाई. पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम ने बेहतरीन स्किल्स और शानदार टीम वर्क दिखाया, जिसके परिणामस्वरूप फाइनल में भारत को यादगार जीत मिली. यह उपलब्धि दिखाती है कि हॉकी का खेल युवाओं के बीच लोकप्रियता बटोर रहा है. मैं भारतीय टीम को अगली चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं देता हूं.

# बंगाल में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, दिल्ली से लखनऊ-पटना होते हुए पहुंचेगी सिलीगुड़ी; 6 घंटे में पूरा होगा सफर

(जीएनएस)।

कोलकाता। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय का असर अब रेलवे परियोजनाओं पर भी दिखने लगा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कोलकाता पहुंचकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ राज्य सचिवालय नवान्न में महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें राज्य में लंबित विभिन्न रेल परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने और नई योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

मैराथन बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री व रेल मंत्री ने बंगाल के लिए रेलवे और मेट्रो क्षेत्र में कई बड़ी घोषणाएं कीं। रेल मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के लगातार असहयोग के कारण राज्य के लोग विकास से वंचित रहे, लेकिन अब केंद्र और राज्य के समन्वय से बंगाल में करीब एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर काम किया जाएगा।

रेल मंत्री ने घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में कोलकाता मेट्रो के लिए 60 नई अत्याधुनिक मेट्रो रेक उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे महानगर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक आधुनिक तथा सुविधाजनक बनेगी।

रेल मंत्री ने साथ ही कहा कि इस बार के आम बजट में दिल्ली से लखनऊ व पटना होते हुए उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी तक प्रस्तावित नए बुलेट ट्रेन कारिडोर पर भी तीव्र गति से काम होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद दिल्ली से सिलीगुड़ी के बीच बुलेट ट्रेन से मात्र छह घंटे में सफर तय होगा।

यह परियोजना उत्तर बंगाल को देश की राजधानी से तेज गति वाले रेल नेटवर्क के जरिए जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। रेल मंत्री ने कहा कि बंगाल में रेलवे विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है और सभी परियोजनाओं को तेज रफ्तार से आगे बढ़ाया जाएगा।

**रेलवे परियोजनाओं के लिए**

**आवश्यक भूमि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी : शुभेंदु**

इस दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र और राज्य के बीच टकराव की राजनीति के कारण बंगाल की अनेक रेल परियोजनाएं वर्षों तक अटकी रहीं। अब डबल इंजन सरकार के सहयोग से राज्य के लोगों को विकास का पूरा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की 61 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और बंगाल में रेलवे के व्यापक विस्तार के लिए करीब एक लाख करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि रेलवे परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में बंगाल का हर जिला रेलवे नेटवर्क से और अधिक मजबूती से जुड़ जाएगा तथा विकास कार्यों में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी रेलवे विकास में बंगाल के साथ भेदभाव नहीं किया, लेकिन पूर्व सरकार के असहयोग के कारण राज्य के करोड़ों लोग विकास से वंचित रहे।

**बैठक में राज्य के सभी सांसदों व विधायकों के साथ रेलवे के शीर्ष अधिकारी भी रहे मौजूद**

बंगाल में पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार के दौरान वर्षों से अटकी विभिन्न रेल परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से रेल मंत्री व मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित इस उच्चस्तरीय समन्वय बैठक में राज्य के सभी सांसदों और विधायकों के अलावा पूर्व रेलवे, दक्षिण-पूर्व रेलवे, नार्थ फ्रंटियर रेलवे तथा कोलकाता मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधकों (जीएम) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

यह समन्वय बैठक 11 बजे से दो बजे तक तीन घंटे चली। बंगाल में पिछले महीने सत्ता परिवर्तन व नई भाजपा सरकार बनने के बाद रेल मंत्री की मुख्यमंत्री के साथ यह पहली बैठक थी।

**बंगाल के लिए अन्य प्रमुख घोषणाएं**

रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बंगाल में 102 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास व आधुनिकीकरण किया जाएगा। रेलवे क्रासिंग पर जाम और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर 538 नए फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण कार्य किए जाएंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस बार के आम बजट में प्रस्तावित डानकुनी-सूरत डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (पूर्व-पश्चिम मालवाहक गलियारे) के निर्माण से उद्योग और व्यापार को गति मिलेगी।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में बंगाल की कई लंबित रेलवे परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि राज्य में 33 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण, विभिन्न रेल मार्गों पर तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने तथा अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाओं से जुड़ी बाधाओं को दूर करने पर सहमति बनी है। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया भी जल्द शुरू हो सकती है।

**रेल मंत्री ने कोलकाता में आम आदमी की तरह मेट्रो व आटो में किया सफर**

बैठक से पहले सुबह कोलकाता हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सीधे जय हिंद मेट्रो स्टेशन पहुंचे और वहां मेट्रो कर्मचारियों तथा यात्रियों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने मेट्रो से यात्रा कर नोआपाड़ा स्टेशन तक का सफर तय किया।

नोआपाड़ा पहुंचने के बाद रेल मंत्री ने स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखते हुए अपने काफिले का उपयोग

# पाकिस्तान के एक क्रूर फैसले से सुलगा पाकिस्तान के कब्जे वाला पीओके! सड़कों पर उतरी लाखों की भीड़, हालात बेकाबू

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JKJAAC) पर बैन लगाते हुए उसे आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इस फैसले के बाद पूरे इलाके में गुस्सा फैल गया है। संगठन के नेताओं पर कथित हमले और एक सदस्य की मौत ने लोगों की नाराजगी को और बढ़ा दिया है।

स्थानीय लोग इसे अपने अधिकारों की आवाज दबाने की कोशिश बता रहे हैं। बढ़ते विरोध को देखते हुए प्रशासन ने इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं और लोगों को यात्रा से बचने की सलाह दी है।

**JKJAAC पर बैन से बढ़ा विवाद**

पाकिस्तान समर्थित प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाकर बड़ा कदम उठाया है। यह संगठन पिछले कई महीनों से लोगों के सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर आंदोलन चला रहा था। बैन के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। कई लोगों का कहना है कि सरकार आंदोलन को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रही है। इस फैसले ने पूरे PoK में राजनीतिक माहौल को और ज्यादा गर्म कर दिया है।

**नेताओं पर हमले के आरोप**

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैन के बाद संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर देर रात कार्रवाई की गई। संगठन के नेता उमर नजीर कश्मीरी के घायल होने की खबर सामने आई है। वहीं एक सदस्य की मौत और कई लोगों के घायल होने का भी दावा किया गया है। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि यह कार्रवाई प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए की गई। हालांकि प्रशासन की तरफ से इन आरोपों पर विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

**जनता लंबे समय से कर रही थी विरोध**

अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में PoK के लोग कई महीनों से महंगाई, बिजली संकट और अन्य बुनियादी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। आंदोलन में शामिल लोगों का कहना है कि क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन स्थानीय जनता को उसका लाभ नहीं मिलता। प्रदर्शनकारी बेहतर सुविधाओं, रोजगार और जीवन स्तर में सुधार की मांग कर रहे थे। यही वजह है कि संगठन को क्षेत्र में काफी जनसमर्थन मिल रहा था।

**इंटरनेट बंद, संपर्क पर असर**

बढ़ते तनाव और संभावित प्रदर्शनों को देखते हुए प्रशासन ने कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। इंटरनेट बंद होने से लोगों के बीच संपर्क और सूचना का आदान-प्रदान प्रभावित हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे उनकी आवाज बाहर तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है। दूसरी तरफ प्रशासन का मानना है कि यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है। इंटरनेट बंदी के कारण व्यापार और दैनिक कामकाज पर भी असर पड़ रहा है।

**ट्रैवल एडवाइजरी से बढ़ी चिंता**

स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने 5 जून से 20 जून के बीच दद्दढ़ की यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। अधिकारियों को आशंका है कि आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन और तेज हो सकते हैं। ट्रैवल एडवाइजरी के बाद पर्यटकों और स्थानीय कारोबारियों में चिंता बढ़ गई है। जानकारों का मानना है कि अगर सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत नहीं हुई तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। फिलहाल पूरे क्षेत्र में तनाव और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

# 'एक नंबर के झूठे हैं खान सर', ना सस्ती पढ़ाई-ना बजट में इलाज, छात्राओं ने खोली एक-एक फर्जी दावे की पोल!

(जीएनएस)।

पटना में खान सर को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। कोचिंग सेंटर में हुए हंगामे, फायरिंग मामले और पुलिस कार्रवाई के बीच सोशल मीडिया पर एक छात्रा का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्रा ने खान सर की कोचिंग व्यवस्था और उनसे जुड़े अस्पताल को लेकर कई दावे किए हैं।

छात्राओं का कहना है कि जिस तरह खान सर के कोचिंग में सस्ती पढ़ाई का दावा किया जाता है और उनके अस्पताल में कम खर्च में इलाज का प्रचार किया जाता है, जमीन पर तस्वीर उससे अलग दिखाई देती है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ लोग छात्रा के आरोपों को गंभीर बता रहे हैं, तो दूसरी तरफ खान सर के समर्थक इन दावों को गलत बता रहे हैं। इस बीच वीडियो ने पहले से चल रहे विवाद को और ज्यादा चर्चा में ला दिया है।

**अस्पताल की फीस पर सवाल**

वायरल वीडियो में छात्रा ने दावा किया कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की फीस को लेकर लोगों को भ्रमित किया जाता है। उसके अनुसार बाहर बहुत कम शुल्क दिखाया जाता है, लेकिन जांच कराने पहुंचे लोगों से बाद में कहीं ज्यादा पैसे लिए जाते हैं। छात्रा के अनुसार, "अस्पताल के बाहर अल्ट्रासाउंड की फीस 21 रुपये बताई जाती है, लेकिन अंदर जाने के बाद मरीजों से करीब 250 रुपये तक लिए जाते हैं।"

छात्रा ने आरोप लगाया कि अस्पताल गरीबों के लिए होने का दावा करता है,

लेकिन वहां आने वाले कई जरूरतमंद लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। उसका कहना है कि मरीजों की समस्याओं पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना प्रचार में दिखाया जाता है।

**कोचिंग को लेकर भी लगाए आरोप**

एक अन्य छात्रा ने कोचिंग सेंटर की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उसने दावा किया कि पढ़ाई से ज्यादा प्रचार और ब्रांडिंग पर ध्यान दिया जाता है। छात्रा के मुताबिक कई बार क्लास में ऐसी बातें ज्यादा होती हैं जिनका परीक्षा की तैयारी से सीधा संबंध नहीं होता। उसका यह भी कहना है कि कोचिंग की फीस को लेकर जो छवि बनाई जाती है, वास्तविक खर्च कई छात्रों को ज्यादा महसूस होता है।

छात्रा ज्ञान बिंदु कोचिंग की बताई जा रही है। वीडियो में छात्रा को ये कहते हुए साफ सुना जा सकता है, "सब झूठ है, बिलकुल झूठ है, कम में नहीं पढ़ाई होती है, यहां से कम फीस नहीं है।" छात्रा आगे बताती है कि जब वह पटना आई थी तो उसकी भी इच्छा थी कि वो खान ग्लोबल स्टडीज में एडमिशन ले, पर खान सर के दावों के मुताबिक ना तो वहां छात्राओं को कोई छूट मिलती है, ना ही वहां की फीस कम है।

**सस्ती पढ़ाई की पहचान से बने थे चर्चा में**

खान सर ने पिछले कुछ वर्षों में कम फीस में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने का दावा करते हुए बड़ी पहचान बनाई है। खासकर वदरुए, इदरड, ररउ और अन्य सरकारी नौकरी की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के बीच उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी थी।

इसी तरह कम खर्च में इलाज उपलब्ध कराने की बात भी समय-समय पर उनकी तरफ से कही जाती रही है। यही कारण है कि छात्रा के आरोपों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

**पहले से गरम है मामला**

यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब खान सर पहले से कई विवादों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में पटना स्थित कोचिंग परिसर में हुए हंगामे और कथित फायरिंग मामले की जांच चल रही है। इस मामले में पुलिस ने कुछ सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस जांच के दौरान सामने आए बयानों के आधार पर खान सर के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। इसके बाद से राजनीतिक दलों, छात्रों और सोशल मीडिया यूजर्स के बीच इस मुद्दे पर लगातार चर्चा जारी है।

**सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस**

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की राय बंटी हुई नजर आ रही है। कुछ लोग छात्रा के दावों की जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि कई लोग खान सर के समर्थन में भी सामने आए हैं। फिलहाल छात्रा के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वहीं वीडियो में लगाए गए दावों पर खान सर या उनकी संस्था की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# लखनऊ केजीएमयू के हार्ट सेंटर में बड़ा खेल? एक-दो नहीं, मरीजों को लगा दिए 5-5 स्टेंट; आयुष्मान फंड के दुरुपयोग की आशंका

(जीएनएस)।

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में एक-दो नहीं, बल्कि एक दर्जन से अधिक मरीजों को 5-5 स्टेंट (Stent) लगाए जाने का सनसनीखेज खुलासा हुआ है. इस पूरे मामले में 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत मिलने वाले सरकारी फंड के दुरुपयोग की भारी आशंका जताई जा रही है, जिसके बाद प्रशासन ने कड़ी जांच बैठा दी है.

राजधानी लखनऊ के केजीएमयू में मरीजों को 5-5 स्टेंट लगाए जाने

के मामले सामने आए जिसमें एक दर्जन से ऊपर मरीजों को यह स्टेंट लगाए गए. इस पूरे मामले में आयुष्मान भारत योजना में संभावित गड़बड़ी की आशंका के बीच जांच तेज कर दी गई है.

केजीएमयू के लारी कार्डियोलॉजी विभाग में स्टेंट लगाने से जुड़े मामलों की जांच कर रही पांच सदस्यीय समिति ने विभाग से पिछले एक साल के एंजियोप्लास्टी और स्टेंट प्रत्यारोपण का पूरा रिकॉर्ड मांगा है.

जांच में सामने आया है कि कई मरीजों को बार-बार भर्ती कर एक से अधिक बार स्टेंट लगाए गए. वहीं मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री और उपचार संबंधी दस्तावेजों में भी गंभीर खामियां मिली हैं, क्योंकि आयुष्मान कार्ड के जरिए उनको स्टेंट लगाए गए और भुगतान हुआ.

समिति अब आयुष्मान भारत समेत सरकारी योजनाओं के तहत हुए इलाज, स्टेंट लगाने के नियम, बजट और प्रक्रिया की भी पड़ताल करेगी. रिकॉर्ड मिलने के बाद मरीजों की फाइलों, एंजियोग्राफी रिपोर्ट और एंजियोप्लास्टी दस्तावेजों की गहन जांच होगी.

# नौजवानों के साथ हैं, देशद्रोहियों के नहीं,' सीजेपी के प्रदर्शन में हिट स्प्रे लेकर घुसा शख्स, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

दिल्ली का जंतर-मंतर आज एक बार फिर राजनीतिक अखाड़ा बन गया। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बैनर तले छात्र हितों और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन चल रहा है। सुरक्षा के इतने कड़े इंतजाम हैं कि पूरी नई दिल्ली को 12 जोन में बांट दिया गया है, लेकिन इसी बीच एक ऐसी घटना घटी जिसने सबका ध्यान खींच लिया।

जंतर-मंतर पर चल रहे इस हाई-वोल्टेज प्रदर्शन के बीच वनइंडिया के सीनियर रिपोर्टर सिद्धार्थ पुरोहित ने उस प्रदर्शनकारी से बातचीत की, जो हाथ में हिट स्प्रे लेकर बीच प्रदर्शन में घुस आया था। बातचीत के दौरान शख्स ने उखड़ और उसके संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ जमकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

जब मौजूद रिपोर्टर ने उससे पूछा कि 'आप यहां हिट (HIT) लेकर क्यों आए हैं?' शख्स (इरशाद) ने बेहद आक्रामक लहजे में जवाब दिया- 'हम यहां हिट से कॉकरोच मारने आए हैं। जब हम कॉकरोच को अपनी रसोई में पैदा नहीं होने देते, तो देश में कैसे पैदा हो जाने दें!'

# सीएम योगी ने दिए निर्देश - 'ट्रेनों पर होने वाली पत्थरबाजी रोकें, अपराधियों से सख्ती से निपटें'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रेनों और रेलवे परिसरों में होने वाली पत्थरबाजी की घटनाओं को पूरी तरह समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। ऐसा कृत्य करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक तकनीक-सक्षम और जवाबदेह बनाने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े रेल यातायात वाले राज्य उत्तर प्रदेश में यात्रियों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। रेलवे नेटवर्क में अपराध और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पूरी सख्ती से लागू की जाए।

रेलवे ट्रैक और ट्रेनों की सुरक्षा की समीक्षा के दौरान सीएम को बताया गया कि संयुक्त गश्त, ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी, डिजिटल सत्यापन, निरीक्षण एप के माध्यम से संदिग्धों की जांच और संवेदनशील स्थलों की निगरानी की जा रही है। सीएम ने ट्रेनों और रेलवे परिसरों में होने वाली पत्थरबाजी की घटनाओं को पूरी तरह समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। ऐसा कृत्य करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए । अफसरों ने बताया कि विभिन्न रेल मंडलों में पत्थरबाजी की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सीएम ने रेलवे परिसरों, प्लेटफॉर्मों और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीकों के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में डीजी रेलवे ने बताया कि वर्ष 1867 में स्थापित जीआरपी वर्तमान में छह अनुभागों, 65 थानों और 89 अस्थायी चौकियों के जरिए कार्य कर रही है। जीआरपी प्रतिदिन 3031 से अधिक ट्रेनों, करीब 1550 रेलवे स्टेशनों और 30 लाख से अधिक यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है।

**त्योहारों पर विशेष ध्यान दें**

मुख्यमंत्री ने त्योहारों, बड़े आयोजनों और भर्ती परीक्षाओं के दौरान रेलवे स्टेशनों पर प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

मानव तस्करी के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई

महिला सुरक्षा, मानव तस्करी और गुमशुदा बच्चों की बरामदगी की समीक्षा के दौरान सीएम ने अभियानों को और प्रभावी बनाने को कहा। बैठक में बताया गया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक जनवरी से 26 मई 2026 तक 860 बच्चों को बरामद किया गया, जबकि विभिन्न अभियानों के जरिए 2325 लोगों को उनके परिवारों से मिलाया गया है। हरदोई जीआरपी थाना उत्तर भारत का पहला आईएसओ-9001 प्रमाणित जीआरपी थाना बन चुका है।

**अर्धकुंभ की तैयारी करें**

सीएम ने कहा कि अपराधियों को त्वरित सजा दिलाने के लिए अभियोजन व्यवस्था को और मजबूत करें। वहीं वर्ष 2027 में प्रस्तावित हरिद्वार अर्धकुंभ को देखते हुए अभी से व्यापक सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

# लखनऊ मर्डर: बीकेटी में मिला सीतापुर की छात्रा मानसी का कंकाल, मुठभेड़ के बाद हत्यारोपी प्रेमी विशाल पाल गिरफ्तार

**बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र में सीतापुर की 19 वर्षीय मानसी का कंकाल बरामद हुआ. प्रेमी और उसकी बहन पर हत्या का आरोप है.**

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक 19 वर्षीय लापता लड़की मानसी का कंकाल बरामद हुआ. सूचना मिलने बाद एक्टिव हुई लखनऊ पुलिस ने सोशल मीडिया और थानों के नेटवर्क की मदद से शव की शिनाख्त कराई है.

बीकेटी थाना क्षेत्र के घने इलाके में मिले शव की पहचान मूल रूप से सीतापुर जिले के संदना निवासी महेश की 19 वर्षीय बेटी मानसी के रूप में हुई है. पीड़ित पिता महेश ने अपनी बेटी के शव की पहचान करने के बाद उसके प्रेमी विशाल पर अगवा कर हत्या करने का आरोप लगाया.

मुठभेड़ के बाद आरोपी प्रेमी विशाल गिरफ्तारः एसीपी बीकेटी विकास कुमार पांडे ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रेमी को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है. विशाल के पैर में गोली लगी है. उसे तत्काल इलाज के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में भेजा गया है. एक अज्ञात युवती का शव मिलने की सूचना मिली थी. पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकरआवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की तो मृतका की शिनाख्त सीतापुर से लापता युवती के रूप में हो गई.

कॉलेज जाने के बाद से लापता थी छात्राः जांच में पता चला कि जिस लड़की का शव मिला है, उसके संदर्भ में पड़ोसी जिले सीतापुर में उसके पिता महेश ने पहले ही गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज कराई हुई थी. कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सीतापुर पुलिस लड़की के शव को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए लेकर गई. लड़की के पिता ने बताया कि बीते 25 मई को उनकी बेटी हमेशा की तरह अपने कॉलेज के लिए घर से निकली थी. इसके बाद वह देर शाम तक जब अपने घर नहीं पहुंची, तो परिजनों ने उसकी हर संभावित जगह पर खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला.

पिता ने कहा- पुलिस टालमटोल न करती तो बच जाती जानः बेटी का सुराग न मिलने पर परेशान पिता ने तुरंत स्थानीय पुलिस को पूरे मामले की लिखित जानकारी दी थी. पिता ने बताया कि उन्होंने सरैया गांव के निवासी विशाल पाल और उसकी सगी बहन शिवानी पाल के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज करने की बात पुलिस से कही थी. पिता का आरोप है कि इन दोनों भाई-बहन ने मिलकर ही उनकी मासूम बेटी को बहला-फुसलाकर भगाया और इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया. उनका कहना है कि अगर समय रहते स्थानीय पुलिस आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर लेती, तो शायद आज उनकी बेटी जिंदा होती.

धरना प्रदर्शन के बाद दर्ज हुई थी FIR: पुलिस का कहना है कि 28 मई को पिता की लिखित शिकायत मिलते ही सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई थी. पिता महेश ने कहा कि 25 मई को अपहरण होने के बाद वे थाने के चक्कर काटते रहे, लेकिन पुलिस ने नामजद केस दर्ज नहीं किया. इसके बाद जब 28 मई को ग्रामीणों के सहयोग से थाने पर धरना प्रदर्शन किया, तब जाकर पुलिस ने दबाव में एफआईआर दर्ज की. इसके बाद भी वे लगातार इंसाफ के लिए सीओ और एसपी के दफ्तरों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन पुलिस ने समय रहते एक्शन नहीं लिया.

# हमारे पास पीएम मोदी, पार्टी न छोड़ें...अन्नामलाई के एग्जिट के बाद इस्तीफों से हिले तमिलनाडु भाजपा चीफ की अपील

**तमिलनाडु में अन्नामलाई को 24 घंटे में 13 लाख से अधिक लोगों ने समर्थन दिया है।**

**बीजेपी में काफी नेताओं ने अपने पद छोड़े हैं। इस सब के बीच तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कार्यकताओं से अपील की है कि वे पार्टी न छोड़ें। नैनार नागेंद्रन ने कहा है कि हमारे पास पीएम मोदी हैं। इसके साथ उन्होंने नसीहत भी दी है।**

(जीएनएस)।

चेन्नैः तमिलनाडु में अन्नामलाई के बीजेपी छोड़ने के बाद पार्टी को झटके-झटके पर लग रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ पूर्व आईपीएस अन्नामलाई को 2020 में शुरू की गई वी द लीडर्स वेबसाइट पर 24 घंटे में 13 लाख 25 हजार से अधिक लोगों का समर्थन मिला है। इस सब के बीच तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बीजेपी कार्यकताओं और नेताओं से अपील की है और कहा कि किसी के कहने पर पार्टी को नहीं छोड़ें। नागेंद्रन ने कहा है कि हमारे पास पीएम मोदी हैं। नागेंद्रन की यह अपील बीजेपी से अन्नामलाई के एग्जिट के बाद पार्टी में इस्तीफे होने पर आई है। शुक्रवार को जब बीजेपी ने अन्नामलाई का इस्तीफा स्वीकार किया था तब नागेंद्रन ने कहा था कि किसी के जाने से पार्टी पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

**अन्नामलाई को इशारों में दी नसीहत**

नैनार नागेंद्रन ने कहा है कि यह बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी की राह पर चल रही पार्टी है। अन्नामलाई अपने मतभेद पहले भी बता सकते थे। किसी के बहकावे में आकर बीजेपी न छोड़ें। बीजेपी छोड़ने वाले कई लोग वापस भी आए हैं, ऐसा इतिहास रहा है। तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूर्व राज्य प्रमुख के. अन्नामलाई के इस्तीफे और एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरूआत के बाद बीजेपी न छोड़ें। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। चेन्नई में नागेंद्रन ने कार्यकर्ताओं से बीजेपी के साथ बने रहने और किसी अन्य पार्टी या आंदोलन में शामिल न होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं से मेरी अपील है - किसी दूसरी पार्टी या आंदोलन में न जाएं। कृपया, यहीं रहें।

**हमारे पास पीएम मोदी हैं...**

नागेंद्रन ने कहा कि बीजेपी दुनिया की एक बहुत बड़ी पार्टी है। हमारे पास दुनिया के नंबर वन नेता, पीएम मोदी हैं। नागेंद्रन ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि अन्नामलाई के जाने से तमिलनाडु में बीजेपी के सपोर्ट बेस पर कोई असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कोई असर नहीं पड़ेगा। बीजेपी एक बहुत बड़ी पार्टी है। पार्टी से कई नेता बाहर गए और फिर वापस भी आए। अन्नामलाई ने अपने नए राजनीतिक आंदोलन के साथ नई पार्टी को शुरू करने का ऐलान किया है जो 2031 के चुनावों में उतरेगी। अन्नामलाई ने कहा कि वह आम आदमी की राजनीति को बढ़ावा देना और राज्य में व्यक्ति-पूजा और परिवारवाद की राजनीति को खत्म करना है। अन्नामलाई के जाने के बाद तमिलनाडु बीजेपी में इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। इनमें राज्य उपाध्यक्ष कारू नागराजन, राज्य सचिव सुमति वेंकटेश और कई अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

**अन्नामलाई को मिल रहा है समर्थन**

इससे ऐसी अटकलें तेज हो गई हैं कि और भी नेता उनके नए राजनीतिक मंच से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान करते रहेंगे। अन्नामलाई के नए शुरू किए गए आंदोलन वी द लीडर्स ने काफी ध्यान खींचा है। इस पहल से लॉन्च होने के बाद 24 घंटे में भीतर 13 लाख से ज्यादा वॉलंटियर जुड़ गए हैं। अन्नामलाई ने कहा है कि यह आंदोलन पेशेवरों, टेक्नोक्रेट्स और आम नागरिकों को शासन-प्रशासन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, साथ ही तमिलनाडु में विकास-उन्मुख और सांस्कृतिक रूप से जुड़ी राजनीति को बढ़ावा देगा।

# मानसून से पहले लखनऊ में नालों की सफाई की हकीकत, खुले नाले और अधूरी सफाई ने बढ़ाई लोगों की चिंता

**लखनऊ के कई क्षेत्रों में नालों में गंदगी जस की तस बनी हुई है, जिससे जलभराव का खतरा बढ़ गया है.**

(जीएनएस)।

लखनऊ : मानसून के आने में गिने-चुने दिन बचे हैं. शहर में जलभराव से निपटने के लिए लखनऊ नगर निगम ने नालों की सफाई का कार्य शुरू कर दिया है. नगर निगम के जलनिकासी विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, शहर में सैकड़ों छोटे और दर्जनों बड़े नाले हैं, जिनकी हर वर्ष बारिश से पहले चरणबद्ध तरीके से सफाई कराई जाती है. इस बार भी मशीनों और सफाईकर्मियों की मदद से नालों से सिल्ट और कूड़ा निकालने का काम चल रहा है. हालांकि कई क्षेत्रों में सफाई अभियान अभी भी अधूरा है और कई प्रमुख नालों की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई हैं.

पिछले साल राजधानी में नालों और जलभराव से जुड़े कई दर्दनाक हादसे सामने आए थे. शहर के सबसे बड़े नालों में शामिल हैदर कैनाल में बारिश के दौरान पानी के तेज बहाव में एक किशोर बह गया था, जिसकी मौत हो गई थी. वहीं सआदतगंज क्षेत्र में सुरेश लोधी की नाले में गिरकर जान चली गई थी. इसके अलावा कुकरैल नदी में बारिश के दौरान नहाने पहुंचे कुछ बच्चे तेज बहाव में बह गए थे और उनकी भी मौत हो गई थी.

**लखनऊ में नालों की सफाई की हकीकत.**

हैदर कैनाल के पास बनाई गई दीवार : इस तरह के हादसे दोबारा न हो, इसलिए नगर निगम नालों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगा है. हैदर कैनाल के किनारे हादसा वाली जगह पर नगर निगम ने ऊंची सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया है और नाले की सफाई भी कराई गई है. हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दौरान नाला अब भी ओवरफ्लो हो जाता है, जिससे आसपास के घरों में पानी भर जाता है.

सफाई पर सवाल : पुराने लखनऊ के सरकटा नाला, सआदतगंज क्षेत्र से गुजरने वाले कई नाले तथा वजीरगंज के बड़े नाले की सफाई को लेकर भी स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं. लोगों का कहना है कि नगर निगम के कर्मचारी नालों से ऊपर जमा कूड़ा तो निकाल लेते हैं, लेकिन नीचे जमी मिट्टी और सिल्ट को पूरी तरह नहीं हटाया जाता. जिससे बारिश के दौरान पानी सड़कों व घरों में भरने लगता है.

खतरा बने खुले नाला : शहर के कई हिस्सों में खुले नाले आज भी दुर्घटनाओं का कारण बने हुए हैं. नगर निगम ने पिछले वर्ष खुले नालों को ढकने का वादा किया था, लेकिन कई स्थानों पर यह काम अब तक पूरा नहीं हो सका है. मड़ियांव क्षेत्र के मुस्कान पीसीओ के पास सड़क से सटा एक खुला नाला आज भी लोगों के लिए खतरा बना हुआ है. स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले साल हादसे के बाद यहां अस्थायी रूप से लकड़ी और प्लास्टिक की बैरिकेडिंग लगाई गई थी तथा जल्द ही नाले को ढकने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई विशेष बदलाव नहीं आया है.

कई इलाकों में नाले गंदगी से भरे पड़े हैं.

बारिश में जलभराव की समस्या : पुराने लखनऊ के कई इलाकों में ढके हुए नालों की स्लैब भी जगह-जगह टूट चुकी हैं. बारिश के दौरान जब सड़कों पर पानी भर जाता है तो इन टूटे हिस्सों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है, जिससे लोगों के नाले में गिरने का खतरा बढ़ जाता है. गोमतीनगर, हाईकोर्ट क्षेत्र, बालागंज, सआदतगंज, ठाकुरगंज, त्रिवेणी नगर और खदरा समेत कई इलाकों में भारी बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भर जाता है.

मेयर बोलीं- बारिश से पहले पूरा होगा सफाई अभियान : लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि इस वर्ष नालों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हुए हादसों से सबक लेते हुए नगर निगम सभी आवश्यक कदम उठा रहा है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. महापौर ने बताया कि बारिश शुरू होने से पहले सफाई अभियान पूरा करना नगर निगम का लक्ष्य है और वह स्वयं विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर कार्यों की निगरानी कर रही हैं.

हालांकि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल औपचारिक सफाई से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि नालों की गहराई तक जमी सिल्ट निकालने, खुले नालों को ढकने और क्षतिग्रस्त ढांचों की मरम्मत कराने की जरूरत है, तभी मानसून के दौरान जलभराव और हादसों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा.

# लखनऊ में 10 हजार रुपये के विवाद में स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग, प्रियांशु और राहुल सिंह पर एफआईआर

**गोमती नगर एक्सटेंशन में 4 जून 2026 की रात 10,000 रुपये के लेनदेन के विवाद में शुभम त्रिपाठी की स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई.**

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर विस्तार इलाके में कुछ रुपयों के लेनदेन के विवाद में एक स्कॉर्पियो गाड़ी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं. इस गोलीकांड को अंजाम देने के बाद सभी शातिर अपराधी मौके से फरार हो गए. लखनऊ पुलिस ने इस गंभीर मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर नामजद FIRजरूर दर्ज कर ली है, लेकिन वारदात के दो दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से कोसों दूर हैं.

पॉश इलाके में पेट्रोलिंग के दावों की पोल खुली: यह वारदात राजधानी के सबसे पॉश और सुरक्षित माने जाने वाले इलाके गोमती नगर एक्सटेंशन में सदर तहसील परिसर के बिल्कुल पास हुई.

यह वही वीआईपी इलाका है जहां लखनऊ पुलिस 24 घंटे लगातार पेट्रोलिंग करने और पर्याप्त मात्रा में हाई-टेक सीसीटीवी फुटेज लगे होने के दावे करती है. इन दावों के बीच वारदात के दो दिन बाद तक स्थानीय पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है. पीड़ित पक्ष ने वारदात के तुरंत बाद ही सभी नामजद आरोपियों के नाम, मोबाइल नंबर और पते की सटीक जानकारी पुलिस को उपलब्ध करा दी गई थी.

आलमनगर और गोमती नगर के युवकों में था विवादः पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार रुपयों के लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव चल रहा था. यह विवाद आलमनगर के रहने वाले कुछ युवकों और गोमती नगर एक्सटेंशन के निवासी युवकों के बीच सोशल मीडिया और फोन पर शुरू हुआ था. इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को देख लेने की धमकी देते हुए आमने-सामने मिलने के लिए बकायदा टाइम तय किया था. दोनों पक्ष के युवक बड़ी संख्या में गोमती नगर एक्सटेंशन इलाके में इकट्ठा हुए, जहां चैलेंज पूरा करने के चक्कर में इस खौफनाक गोलीकांड को अंजाम दिया गया.

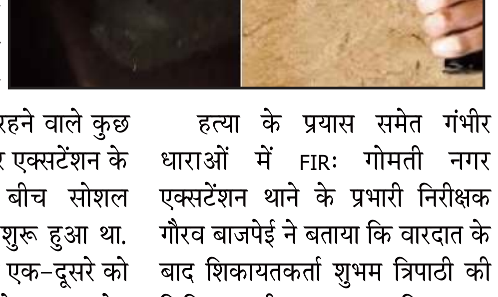

हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में FIR: गोमती नगर एक्सटेंशन थाने के प्रभारी निरीक्षक गौरव बाजपेई ने बताया कि वारदात के बाद शिकायतकर्ता शुभम त्रिपाठी की लिखित तहरीर पर एक्शन लिया गया है. पुलिस ने नामजद आरोपी राहुल सिंह, प्रियांशु सिंह, सुहेल और परिचेतक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है. इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित की गई हैं. पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और आरोपियों को जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा.

स्कॉर्पियो गाड़ी पर बरसाई ताबड़तोड़ गोलियांः राजधानी लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन में यह वारदात 4 जून 2026 की रात करीब 10:00 बजे हुई, जब एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी संख्या वढ32 ढफ 6214 पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई. सरेराह हुई इस फायरिंग की गूंज से आसपास के रिहायशी इलाके और तहसील परिसर में भारी दहशत फैल गई. स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने खोखे बरामद कर छानबीन शुरू की. पुलिस को शुरूआती जांच में

# मानव सुथार, पिता ने कर्ज लेकर बनाया क्रिकेटर, गिल की कप्तानी में किया डेब्यू

(जीएनएस)।

भारत और अफगानिस्तान के बीच आज से शुरू हुए एकमात्र टेस्ट मैच में राजस्थान के 23 वर्षीय स्पिन-ऑलराउंडर मानव सुथार ने भारतीय टीम के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टेस्ट डेब्यू किया है। कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और प्लेइंग-क की घोषणा के साथ ही मानव सुथार के सुनहरे सफर की शुरूआत हो गई।

मानव सुथार को विदर्भ के हर्ष दुबे पर तरजीह देकर टीम में शामिल किया गया है। मैच की शुरूआत से पहले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने मानव को उनकी पहली टेस्ट कैप सौंपी। मानव सुथार साल 2021 में अक्षर पटेल के डेब्यू के बाद से भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले पहले स्पेशलिस्ट स्पिनर बन गए हैं। मानव के पिता जगदीश सुथार श्रीगंगानगर के एक सरकारी स्कूल में पीटीआई टीचर थे।

# दिल्ली होटल में आग से सबक: लखनऊ में बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच करेगा एलडीए

**हाईराइज में बढ़ती अग्निकांड की घटनाओं को देखते हुए एलडीए और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की ज्वॉइंट टीम गठित की गयी है.**

(जीएनएस)।

लखनऊ : लखनऊ में होटल, गेस्ट हाउस, मॉल, अस्पताल सहित अन्य बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी. दिल्ली में होटल में आग से हुये दर्दनाक हादसे के बाद एलडीए उपाध्यक्ष (वीसी) प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को प्रवर्तन व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की.

जिसमें उन्होंने बहुमंजिला इमारतों में जांच के लिए संयुक्त टीम गठित करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं. बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा एवं सीपी त्रिपाठी समेत समस्त जोनल अधिकारी उपस्थित रहे.

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (वीसी) प्रथमेश कुमार ने बताया कि शहर में विभिन्न व्यक्तियों व संस्थाओं द्वारा होटल, गेस्ट हाउस, नर्सिंग होम, मॉल, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स आदि का संचालन किया जा रहा है. इसके लिए प्राधिकरण द्वारा भवन मानचित्र स्वीकृत किया जाता है.

वहीं, भवनों में आग से बचाव के लिए सुरक्षा मानकों की निगरानी व अनापत्ति अग्निशमन विभाग द्वारा निर्गत की जाती है. हाल ही में बहुमंजिला इमारतों में हुई अग्नि जनित घटनाओं के दृष्टिगत यह जरूरी है कि दोनों विभाग एक साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच करें. इसे ध्यान में रखते हुए एलडीए व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की ज्वाइंट टीम गठित की गयी है.

**प्रत्येक जोन के लिए अफसर नामित**

प्रत्येक जोन में एलडीए व अग्निशमन विभाग से एक अधिकारी को नामित किया गया है, जो कि बहुमंजिला भवनों में अग्निशमन व अन्य सुरक्षा सम्बंधी मानकों की जांच की कमान संभालेंगे.

प्रवर्तन जोन-1 में जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी के साथ एफएसओ गोमती नगर मामचन्द्र बड़गूजर

प्रवर्तन जोन-2 में जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह के साथ एफएसओ सत्येन्द्र कुमार सिंह

प्रवर्तन जोन-3 में जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह के साथ एफएसओ सरोजनी नगर/आलमबाग धर्मपाल सिंह

प्रवर्तन जोन-4 में जोनल अधिकारी माधवेश कुमार के साथ एफएसओ बीकेटी प्रशांत कुमार

प्रवर्तन जोन-5 में जोनल अधिकारी वंदना पाण्डेय के साथ एफएसओ इंदिरा नगर कमलेन्द्र कुमार

प्रवर्तन जोन-6 एवं 7 में जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह के साथ एफएसओ हजरतगंज राम कुमार रावत एवं एफएसओ चौक पुष्पेन्द्र कुमार यादव

निर्धारित प्रारूप में देनी होगी रिपोर्ट

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जांच के बिन्दु व प्रारूप निर्धारित कर दिया गया है. इसी के मुताबिक जांच टीम को अपनी रिपोर्ट देनी होगी. इसमें निरीक्षण की तारीख के साथ स्थल की फोटोग्राफ लगानी होगी. एलडीए की प्रवर्तन टीम स्वीकृत मानचित्र के मुताबिक स्थल पर हुये निर्माण कार्य, पार्किंग, सेटबैक व फ्लोर आदि की जांच करेगी.

अगर स्वीकृत मानचित्र के सापेक्ष निर्मित क्षेत्र में अंतर पाया जाता है, तो निर्माणकर्ता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई प्रचलित की जाएगी. वहीं, अग्निशमन की टीम आग से सुरक्षा के मानकों की जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी.